# वैज्ञानिक गावों में जाकर किसानों को वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन की तकनीक बतायें

जबलपुर। दिनांक 25 जनवरी 2019, संचालनालय विस्तार शिक्षा, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंर्तगत फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंर्तगत **403 अनार (किस्म–गणेश)** व **175 पपीता (रेड–लेडी)** के पौधों का वितरण एवं रोपाई कार्य माह जनवरी की 16 तारीख को संपन्न हुआ। एकीकृत कृषि प्रणाली के तहत् कृषि/बागवानी के साथ–साथ बकरीयों के नस्ल सुधार हेतु विगत दिवस 25 जनवरी 2019 को फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंर्तगत एवम् म.प्र. पशुधन एवं कुक्कट विकास निगम, भोपाल (म.प्र.) के माध्यम से 10 स्व सहायता समूहों के हितग्राही कृषक परिवारों को बकरी की उन्नत नस्ल सिरोही की 10 बकरीयाँ व 1बकरा (प्रति स्व सहायता समूह) के हिसाब से कुल 100 सिरोही नस्ल की बकरीयाँ तथा 10 सिरोही नस्ल के बकरों का वितरण कार्य फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंर्तगत अंगीकृत ग्रामोंः– पड़रिया, सिलुआ, छतरपुर, देवरी, कैलवास एवं घाना में **"उन्नत समेकित कृषि प्रणाली द्वारा किसानों के सशक्तिकरण"** हेतु कार्य संपादित किया गया। जिससे परियोजना के अंर्तगत कृषक परिवार कृषि के साथ–साथ बागवानी एवम् पशु पालन आदि विभिन्न स्त्रोतोंः फसलों, फलों, दूध, अंड़े एवं केंचुआ खाद से कृषकों की आय में वृद्धि हो सके और कृषक परिवार समृद्धि की ओर बढ़ें। कुलपति ने कृषि अनुसंधान परिषद् की योजना को आगे बढ़ाने के लिये प्रसार विभाग की प्रशंसा की।

कार्यक्रमों के अवसर पर वि.वि. प्रशासन, वैज्ञानिकों, ग्रामीण जनप्रतिनिधिगण, कृषकों की जागरूकता, मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रशंसनीय रहा। इस अवसर पर फार्मर फर्स्ट परियोजना की टीम के डॉ. सुनील नायक, नोडल अधिकारी/संचालक विस्तार शिक्षा, का मार्गदर्शन व सहयोग, डॉ. अनिल कुमार गौर, परियोजना अधिकारी, श्री विजय चौकसे– क्षेत्र सहायक एवं श्री अशीष यादव–क्षेत्र सहायक की भूमिका सराहनीय रही।